प्रस्तावों के लिए मौका

भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के बारे में जागरूकता के लिए कंटेंट तैयार करना और उसको ज्यादा से ज्यादा शेयर करना।

कृपया नीचे दिए सेक्शंस को ध्यान से पढ़ें। इनमें योग्यता के और एप्लिकेशन प्रोसेस की अहम जानकारी है।

आवेदन जमा करने की समय सीमा : 15 मई, 2023, रात 11:59 बजे तक

इंटरन्यूज अर्थ जर्नलिज्म नेटवर्क (EJN) भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जानकारियां इकट्ठा करने और उसके प्रसार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश पर खास ध्यान दिया जाएगा।

EJN इस विषय पर बेहतर और गहन कंटेंट के लिए पूरा जोर देगा। इसका उद्देश्य पॉलिसीमेकर्स, प्रोजेक्ट डिवेलपर्स, इंवेस्टर्स और ऑब्जर्वर्स के बीच बेहतर जानकारी की पहुंच और जागरूकता फैलाना होगा।

एक नजर-

रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) प्रोजेक्ट्स कोविड-19 महामारी और वैश्विक आर्थिक मंदी से प्रभावित हुए हैं। प्रोजेक्ट्स के लिए फाइनेंसिंग, भुगतान, नियमों से जुड़ी चुनौतियों ने आरई डेवलपर्स की चिंताएं बढ़ा दी हैं। फिर भी आने वाले समय में संभावनाएं उज्ज्वल हैं, क्योंकि भारत 2030 तक 500 GW रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता स्थापित करना चाहता है।

हमारी कोशिश इस मुद्दे के बारे में जन जागरूकता फैलाने की है। हम पॉलिसी, फाइनेंसिंग, पेमेंट्स और बुनियादी ढांचे से जुड़ी दिक्कतों पर विस्तारपूर्वक कंटेंट तैयार करने के लिए फेलोशिप देना चाहते हैं। ताकि इस मसले पर बेहतर स्ट्रैटजी बनाई जा सकें और इसका नतीजा बेहतर निकले।

कुछ ऐसी होगी कंटेंट की थीम

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि हम उन प्रस्तावों का स्वागत करते हैं जो पॉलिसी, फाइनेंसिंग, भुगतान और बुनियादी ढांचे की दिक्कतों पर खासा ध्यान देते हों और उनको दूर करने के लिए बेहतर रणनीतियां और समाधान पर आधारित हों।

हम उन रिपोर्टों का विकास और प्रकाशन चाहते हैं, जो भारत में रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की स्थिति के बारे में और उनके विकास के लिए स्ट्रैटिजी के बारे में जागरूकता फैलाती हों। हमारा खास ध्यान बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश पर है।

कुछ प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जाएगी। ये वे प्रस्ताव होंगे जिनके विषयों के बारे में ज्यादा कवरेज न हुई हो और उनको ज्यादा तरजीह न मिली हो। जिन मुद्दों को पहले ही बहुत ज्यादा कवरेज मिल चुका हो या जो बेहतर ऐंगल न दे पाए, उनके चुने जाने की संभावना कम ही है।

योग्यता

भारत के सभी राज्यों के प्रस्ताव मान्य होंगे, लेकिन बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में आरई स्थिति पर प्रकाश डालने वाले प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जाएगी।

कंटेंट प्रोड्यूसर्स के ग्रुप्स भी योग्य होंगे। हालांकि, अप्लाई एक प्रमुख आवेदक के नाम से करना होगा। प्रमुख आवेदक EJN के साथ संवाद करने और पुरस्कार मिलने पर समूह की ओर से पारिश्रमिक के तौर पर पैसे लेने के लिए जिम्मेदार होंगे। हम अंग्रेजी, हिंदी, मराठी और तमिल में आवेदन स्वीकार करेंगे।

आरई सेक्टर को कवर करने में दिलचस्पी रखने वाले भारत के कंटेंट प्रोड्यूसर्स (ऑनलाइन, प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो) और अन्य विशेषज्ञों के लिए आवेदन खुले हैं। हम उन लोगों को प्राथमिकता देंगे जो नियमित रूप से इकॉनमी, बिजनेस और एनर्जी बीट को कवर करते हों। समान अवसर और विविधता के लिए हम विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और स्वदेशी समुदायों के सदस्यों के आवेदनों को भी स्वीकार करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, स्थानीय और समुदाय-आधारित सभी तरह के फ्रीलांसरों और स्टाफ के आवेदन मान्य हैं।

अगर कोई आवेदक अनैतिक या अनुचित पेशेवर आचरण से जुड़ा पाया जाता है तो EJN उसे अयोग्य करार देने के सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।

कैसा होगा फॉर्मेट

ईजेएन हर चयनित आवेदक को पारिश्रमिक के तौर पर लगभग 90,000 रुपये देगा। यह इस पर भी निर्भर करेगा कि उसका प्रपोजल और कवरेज का मैथड कैसा है। साथ ही अगर आवेदक ने डेटा आधारित मैथड अपनाया है या फिर कोई इंवेस्टिगेशन की है जो थोड़ी महंगी है, उस पर भी विचार किया जाएगा।

कंफर्म होने पर आवेदक को बताए गए मुद्दों पर कंटेंट तैयार करने और पब्लिकेशन के लिए ईजेएन के साथ फेलोशिप अग्रीमेंट करना होगा।

हम मई में इस उम्मीद के साथ फेलोशिप एग्रीमेंट की योजना बना रहे हैं कि सभी कंटेंट 15 अक्टूबर, 2023 तक प्रकाशित हो जाएंगे। आवेदकों को अपने काम की प्लानिंग करते समय इस डेडलाइन को ध्यान रखना होगा।

सुरक्षा

आवेदकों को फील्ड में बाहर होने पर कोविड-19 से बचने के लिए सभी प्रोटोकॉल्स का पालन करना चाहिए। अगर जरूरी हो तो अपने बजट में किसी भी कोविड-संबंधी लागत, जैसे टेस्ट या सुरक्षा उपकरण पर हुए खर्च को शामिल करना चाहिए।

पब्लिकेशन की भाषा

कंटेंट इंग्लिश या स्थानीय भाषाओं या दोनों में तैयार किया जा सकता है। हम स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और स्थानीय मीडिया आउटलेट्स के लिए रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करते हैं। हालांकि, बेहतर प्रसार के लिए एक अंग्रेजी अनुवाद भी किया जाना चाहिए। अगर जरूरी हो तो कृपया बजट में अनुवाद की लागत भी शामिल करें।

बजट

सभी आवेदकों को दिए गए टेम्प्लेट का यूज करके पैसों के सही उपयोग का डिटेल्ड बजट देना होगा। हम चाहते हैं कि बजट रिजनेबल हो और रिपोर्टिंग करने के लिए जरूरी लागत, जैसे यात्रा और रहने की सुविधाओं को ध्यान में रखा जाए। अगर आपको किसी अन्य सोर्स स्टोरी के लिए फंड मिल रहे हैं तो उसे भी दर्शाना होगा।

कम बजट वाली एप्लिकेशन ज्यादा प्रतिस्पर्धी होंगी। लेकिन हम उन रिपोर्टों के लिए ज्यादा बजट पर भी विचार करेंगे जो इनोवेटिव और इंवेस्टिगेटिव तथ्यों के आधार पर तैयार की गई हों। हम मल्टीमीडिया के उपयोग को सराहते हैं। आवेदकों को मल्टीमीडिया एलिमेंट्स जैसे वीडियो और फोटोज को शामिल करने के लिए प्लान और बजट देना होगा।

हम उम्मीद करते हैं कि प्रस्ताव में काफी हद तक यह बता दिया जाएगा कि आवेदक के पास पहले से कौन से उपकरण हैं (कैमरा, ड्रोन, प्रकाश, तिपाई, आदि सहित)। नए उपकरणों की खरीद पर ज्यादा फोकस करने वाले बजट मान्य नहीं होंगे। अगर आवेदक फ्रीलांसर है तो हम बजट में स्टाइपेंड पर विचार करेंगे। कृपया यह भी बताएं

कि आपको इस कंटेंट को तैयार करने में कितना समय लगेगा और उचित बाजार दर पर आधारित कंपनसेशन का प्रस्ताव दें।

रिपब्लिकेशन के अधिकार

जो लोग फेलोशिप अग्रीमेंट फाइनल करते हैं वे अपने संबंधित मीडिया में इसे पब्लिश और ब्रॉडकास्ट कर सकेंगे। ईजेएन और उसके पार्टनर्स भी इसे संपादित, प्रकाशित, प्रसारण और प्रसार करने के अधिकार देते हैं।

ऐसे किया जाएगा जज

आवेदकों को अपने प्रस्ताव तैयार करते समय निम्न बिंदुओं पर विचार करना चाहिए:

प्रासंगिकता : क्या प्रस्ताव मानदंड और उद्देश्यों को पूरा करता है? यह रिपोर्ट क्यों और किसके लिए मायने रखती है? क्या टारगेट ऑडियंस के लिए मेन आइडिया, कंटेस्ट और ओवरऑल वैल्यू स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं?

एंगल : यदि विषय पहले से ही कवर किया गया है तो क्या आपके प्रस्ताव में नए एंगल हैं?

प्रभाव : क्या प्रस्ताव में इंवेस्टिगेटिव एलिमेंट या दमदार कहानी है, जो ध्यान आकर्षित करे, बहस का मुद्दा बने या ऐक्शन के लिए प्रेरित करे?

आकर्षक कहानी : रचनात्मक दृष्टिकोण, मल्टीमीडिया और डेटा विजुअलाइजेशन के उपयोग को प्लस माना जाएगा।

कंटेंट के समय पर पब्लिकेशन के लिए प्लान : कंटेंट प्रोड्यूसर्स को एप्लिकेशन में मीडिया संस्थान से एक लेटर ऑफ सपोर्ट भी देना होगा। इसमें यह प्रतिबद्धता जतानी होगा कि 15 अक्टूबर 2023 के पहले स्टोरी प्रकाशित हो जाएंगी।

एप्लिकेशन प्रोसेस

•पेज में सबसे ऊपर एप्लाई नाउ बटन पर क्लिक करें

•अगर आपका पहले से अकाउंट है तो लॉगइन करें। दरअसल, हमने हाल ही में अपनी वेबसाइट को अपडेट किया है, इसलिए आपको 'फॉरगेट पासवर्ड?' पर क्लिक करके अपना पासवर्ड रीसेट करना पड़ सकता है। लॉग इन पेज में लिंक होगा। यदि आपका अकाउंट नहीं है तो आपको पेज के सबसे ऊपर दाईं ओर 'लॉग इन' पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करना होगा और पेज खुलने वाले नीचे 'साइन अप' लिंक पर क्लिक करना होगा। अकाउंट कैसे बनाया जाए, इस बारे में सभी जानकारी के लिए यहां क्लिक करें और अपना पासवर्ड रीसेट करने के तरीके के बारे में विस्तृत निर्देशों के लिए यहां क्लिक करें।

•अगर आप एप्लिकेशन भरना शुरू करते हैं और बाद में इसे पूरा करना चाहते हैं तो सेव ड्राफ्ट पर क्लिक करना होगा। ड्राफ्ट पर वापस जाने के लिए आपको फिर से लॉगइन करना होगा। आवेदन को अंतिम रूप देने के लिए 'एप्लाई नाउ' पर फिर से क्लिक करना होगा।

•एप्लिकेशंस में राशि के विवरण के साथ विस्तृत बजट होना चाहिए। इस लिंक पर क्लिक करके बजट टेम्प्लेट अभी डाउनलोड करें।

•सभी आवेदकों को साइन किया हुआ लेटर ऑफ सपोर्ट देना होगा। इसमें यह स्पष्ट रूप से यह बताना होगा कि संस्थान कंटेंट को प्रकाशित करेगा।

•आवेदकों को संबंधित काम के लिए रिपोर्ट या लिंक के दो नमूने भी जमा करने होंगे।

ध्यान दें: आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद आपसे इन सहायक दस्तावेज को अपलोड करने के लिए कहा जाएगा, इसलिए कृपया उन्हें संभाल कर रखें।

•यदि आपको अपना आवेदन जमा करने में कठिनाई होती है या ग्रांट के बारे में प्रश्न हैं तो कृपया info.ejn@internews.org पर ईमेल करें। किसी अन्य इंटरन्यूज ईमेल से संपर्क न करें।

•समय सीमा के बाद किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

Banner image: A solar-powered irrigation system in Bihar, India / Credit: Ayush Manik for CGIAR via Flickr.